SUBJECT: GEOGRAPHY

CLASS: B.A. Part Ist (Hons.), PAPER : IInd, UNIT: Vth

TOPIC: SRILANKA (श्रीलंका)

BY:– Dr. Sanjay Kumar, Assistant Professor, Dept. of Geography
D. B. College, Jaynagar, L.N.M.U., Darbhanga.

LECTURE No. 26 (Email: sanjaykumar.phd@gmail.com)

श्रीलंका भारत के दक्षिण में स्थित एक द्वीपीय देश है, जिसमें एक बड़ा द्वीप और अनेक छोटे-छोटे उपद्वीप हैं। यह 5°55' से 9°55' उत्तरी अक्षांशों एवं 79°42' से 81°52' पूर्वी देशान्तरों के बीच विस्तृत है। इसका क्षेत्रफल 65610 वर्ग k.m. है।

⇒ भौतिक स्वरूप

→ उत्तर में जाफना प्रायद्वीप और उत्तर-पश्चिम की तटीय पट्टी को छोड़कर लगभग संपूर्ण द्वीप प्री-कैम्ब्रियन युग की कठोर शैलों से निर्मित है। इनमें कायांतरित नीस व शिष्ट शैलों की प्रधानता है। इन शैलों में बहुमूल्य रत्न मिलने के कारण ही श्रीलंका को रत्नों का द्वीप (Island of Gems) कहा जाता है।

→ श्रीलंका का केवल 1/8 भाग 300 मी. से अधिक ऊँचा है, शेष भाग समतल मैदान है। देश का दक्षिण मध्यवर्ती भाग पहाड़ी है, जो सबसे ऊँचा भू-भाग है, जो समुद्रतल से 1500 मीटर से अधिक ऊँचा है। इसकी सर्वोच्च चोटी पिदुरूतालगला या पेड्रो पॉइन्ट (2524 मी.) है। किरिगलपोता (2500 मी.) तथा आदमपीक (2243 मी.) है। तोतुपोलाकाण्डा (2361 मी.) कुद्राहागाला (2321 मी.) अन्य महत्वपूर्ण चोटियाँ है।

→ देश के उत्तरी भाग पर समतल तथा विच्छेदित मैदान स्थित है। इसके पश्चिम में हट्टन का पठार तथा पूर्व में उवा बेसिन स्थित है।

→ महावेली गंगा (330 k.m) श्रीलंका की सबसे लम्बी नदी है, जो उत्तर-पूर्व की ओर बहते हुए बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है। मादुरूओया, आरूव आरू, काला ओया व कालू गंगा अन्य प्रमुख नदियाँ है। सेनानायके समुद्र नामक बाँध का निर्माण गलओया नदी पर किया गया है।

Scanned with CamScanner

⇒ जलवायु

→ श्रीलंका विषुवत रेखा के उत्तर में मानसूनी जलवायु की पेटी में स्थित है। इसकी जलवायु पर विषुवत रेखा की निकटता तथा द्वीपीय स्थिति का विशेष प्रभाव पड़ा है। मैदानी भागों में औसतन 21°C से 32°C तक तथा पर्वतीय भागों में 10°C - 24°C तक तापमान रहता है। कोलम्बो का औसत वार्षिक तापमान 28°C रहता है।

→ पर्वतों के पश्चिमी ढालों पर 508 c.m. वार्षिक वर्षा तथा विमुख ढालों पर वृष्टि छाया प्रदेश होने के कारण शुष्कता बनी रहती है। इसके तटीय भागों पर लगभग 102 c.m. वर्षा होती है। मार्च से मध्य मई तक संवहनीय वर्षा होती है।

→ देश का दक्षिणी पश्चिमी भाग दोनों मानसूनों (दक्षिण-पश्चिमी और उत्तरी-पूर्वी मानसून) से वर्षा प्राप्त करता है। इसलिए यह आर्द्र क्षेत्र के अंतर्गत आता है। उत्तरी और पूर्वी भाग में वर्षा केवल उत्तरी-पूर्वी मानसून द्वारा से होती है, जो पर्याप्त नहीं होती है। अतः यह शुष्क क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

⇒ कृषि

→ श्रीलंका में दो प्रकार की कृषि की जाती है — ① बागाती तथा ② निर्वाहक। देश की 60% कृषि भूमि पर बागाती फसलें उगायी जाती हैं, जिसमें चाय प्रमुख है। रबड़, नारियल अन्य महत्वपूर्ण बागाती फसलें है।

→ निर्वाहक कृषि के अन्तर्गत चावल प्रमुख फसल, जो कृषित भूमि के एक-तिहाई क्षेत्र पर उगाया जाता है। पर्वतीय भागों में चेन्ना (स्थानान्तरी कृषि) द्वारा भी चावल उगाया जाता है। कपास, तम्बाकू, गन्ना, पटसन, मूँगफली आदी व्यापारिक फसलें निर्वाहक स्तर पर ही उगायी जाती हैं। तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का मुख्य व्यवसाय मत्स्यन है।

⇒ उद्योग

→ श्रीलंका में लघु एवं कुटीर उद्योग व्यापक रूप से प्रचलित है। खनिज संसाधनों की कमी के कारण देश में भारी उद्योगों की स्थापना नहीं की जा सकी है। यद्यपि सन् 1970 के बाद बड़े उद्योगों पर ध्यान इसकी स्थापना की ओर दिया गया।

Scanned with CamScanner

→ सिरेमिक, खाद्य तेल, उर्वरक, सीमेंट, कागज, चमड़ा, रबड़, चीनी उद्योग एवं वस्त्र उद्योग विकसित किए गए। अधिकांश उद्योग कोलम्बो, निगम्बो, गाले, पुट्टलम, जाफना आदि नगरों में केंद्रित है।

⇒ जनसंख्या

श्रीलंका की जनसंख्या लगभग 21.02 करोड़ है, जिसमें बहुसंख्यक समूह सिंहली लोगों का है, जो बौद्ध है। प्रजातीय संघटन की दृष्टि से देश में अधिकतर जनसंख्या सिंहली लोगों की है। इसके अतिरिक्त यहाँ तमिल, श्रीलंकाई मूल तथा भारतीय तमिल भी रहते हैं। कोलम्बो (पूर्व राजधानी), कैण्डी, अनुराधापुर, रत्नपुरा, ट्रिंकोमाली, निगोम्बो तथा नुवारा एलिया प्रमुख नगर है।

— x — x — x —

Scanned with CamScanner